Roll No. ..... Total Pages : 5

MDE/D-21 **9630**

प्रेमचन्द

Paper–V

Opt. (iv)

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 80

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

खण्ड-क

1. निम्न अवतरणों में से किन्हीं **तीन** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

(क) इन बड़े-बड़े आदमियों के लिए कुछ न होगा। इन्हें बस रोना आता है, छोकरियों की भांति बिसूरने के सिवा इनसे और कुछ नहीं हो सकता बड़े-बड़े देस-भगतों को बिना बिलायती शराब के चैन नहीं आता। उनके घर में जाकर देखो, तो एक भी देसी चीज़ न मिलेगी। दिखाने को दस-बीस कुरते गाढ़े के बनवा लिए, घर का और सब सामान बिलायती है। सब-के-सब भोग-बिलास में अंधे हो रहे हैं, छोटे भी और बड़े भी। उस पर दावा यह है कि देश का उद्धार करेंगे। अरे तुम क्या देश का उद्धार करोगे। पहले अपना उद्धार तो कर लो। गरीबों को लूटकर बिलायत का घर भरना तुम्हारा काम है।

(ख) जालपा ने सर्पिणी की भांति फुंकारकर कहा, यह सुनकर मुझे बड़ी खुशी हुई! ईश्वर करे, तुम्हें मुंह में कालिख लगाकर भी कुछ न मिले! मेरी यह सच्चे दिल से प्रार्थना है, लेकिन

नहीं, तुम जैसे मोम के पुतलों को पुलिस वाले कभी नाराज न करेंगे। तुम्हें कोई जगह मिलेगी और शायद अच्छी जगह मिले, मगर जिस जाल में तुम फंसे हो, उसमें से निकल नहीं सकते। झूठी गवाही, झूठे मुकदमे बनाना और पाप का व्यापार करना ही तुम्हारे भाग्य में लिख गया। जाओ शौक से जिंदगी के सुख लूटो। मैंने तुमसे पहले ही कह दिया था और आज फिर कहती हूं कि मेरा तुमसे कोई नाता नहीं है।

(ग) अगर मेरी जबान में इतनी ताकत होती कि सारे देश में उसकी आवाज पहुंचती, तो मैं सब स्त्रियों से कहती, बहनो, किसी सम्मिलित परिवार में विवाह मत करना और अगर करना तो जब तक अपना घर अलग न बना लो, चैन की नींद मत सोना। यह मत समझो कि तुम्हारे पति के पीछे उस घर में तुम्हारा मान के साथ पालन होगा। अगर तुम्हारे पुरुष ने कोई लड़का नहीं छोड़ा, तो तुम अकेली रहो चाहे परिवार में, एक ही बात है। तुम अपमान और मजूरी से नहीं बच सकतीं। अगर तुम्हारे पुरुष ने कुछ छोड़ा है तो अकेली रहकर तुम उसे भोग सकती हो, परिवार में रहकर तुम्हें उससे हाथ धोना पड़ेगा। परिवार तुम्हारे लिए फूलों की सेज नहीं, कांटों की शय्या है, तुम्हारा पार लगाने वाली नौका नहीं, तुम्हें निगल जाने वाला जंतु।

(घ) यह शायद समझते होंगे, जालपा जिस वक्त मुझे झब्बेदार पगड़ी बांध घोड़े पर सवार देखेगी, फूली न समाएगी। जालपा इतनी नीच नहीं है। तुम घोड़े पर नहीं, आसमान में उड़ो, मेरी आंखों में हत्यारे हो, पूरे हत्यारे, जिसने अपनी जान बचाने के लिए इतने आदमियों की गर्दन पर छुरी चलाई! मैंने

चलते-चलते समझाया था, उसका कुछ असर न हुआ! ओह, तुम इतने धन-लोलुप हो, इतने लोभी! कोई हरज नहीं। जालपा अपने पालन और रक्षा के लिए तुम्हारी मुहताज नहीं। इन्हीं संतप्त भावनाओं में डूबी हुई जालपा घर पहुंची।

(च) पुलिस वाले बड़े कायर होते हैं। किसी का अपमान कर डालना तो इनकी दिल्लगी है। जज साहब पुलिस कमिश्नर को बुलाकर यह सब हाल कहेंगे जरूर। कमिश्नर सोचेंगे कि यह औरत सारा खेल बिगाड़ रही है। इसी को गिरफ्तार कर लो। जज अंगरेज होता तो निडर होकर पुलिस की तंबीह करता। हमारे भाई तो ऐसे मुकदमों में चूं करते डरते हैं कि कहीं हमारे ही ऊपर न बगावत का इलजाम लग जाए। यही बात है। जज साहब पुलिस कमिश्नर से जरूर कह सुनावेंगे। फिर यह तो न होगा कि मुकदमा उठा लिया जाए। यही होगा कि कलई न खुलने पावे। कौन जाने तुम्हीं को गिरफ्तार कर लें। कभी-कभी जब गवाह बदलने लगता है, या कलई खोलने पर उताई हो जाता है, तो पुलिस वाले उसके घर वालों को दबाते हैं। इनकी माया अपरंपार है।

(छ) मैं क्यों अपने को अनाथिनी समझ रही हूं? क्यों दूसरों के द्वार पर भीख मांगूं? संसार में लाखों ही स्त्रियां मेहनत-मजदूरी करके जीवन का निर्वाह करती हैं। क्या मैं कोई काम नहीं कर सकती? मैं कपड़ा क्या नहीं सी सकती? किसी चीज़ की छोटी-मोटी दूकान नहीं रख सकती? लड़के भी पढ़ा सकती हूं। यही न होगा, लोग हंसेंगे, मगर मुझे उस हंसी की क्या परवा! वह मेरी हंसी नहीं है, अपने समाज की हंसी है।

(3×7=21)

खण्ड-ख

2. निम्न में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों का आलोचनात्मक उत्तर दीजिए :

(क) कर्बला नाटक के संदर्भ में प्रेमचंद की नाट्यकला पर विस्तारपूर्वक विचार कीजिए।

(ख) कर्बला नाटक के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

(ग) प्रेमचन्दयुगीन परिवेश पर प्रकाश डालिए।

(घ) प्रेमचन्द की संपादन कला पर प्रकाश डालिए।

(ङ) सेवासदन के आधार पर प्रेमचन्द की नारी भावना पर प्रकाश डालिए।

(च) सेवासदन में चित्रित समस्याओं पर प्रकाश डालिए।

(3×12=36)

खण्ड-ग

3. निम्न में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (लगभग 250 शब्दों में) :

(क) 'गबन' में आभूषण प्रेम।

(ख) 'कर्बला' में साझी संस्कृति।

(ग) 'कर्बला' की सत्ता संघर्ष।

(घ) 'सेवासदन' में नारी।

(ङ) 'गबन' में देवीदीन खटीक का चरित्र।

(च) आदर्शोन्मुखी यथार्थवाद।

(छ) 'सेवासदन' के नामकरण की सार्थकता।

(ज) 'गबन' में रमानाथ का चरित्र।

(झ) 'कर्बला' की मूल संवेदना।

(ञ) 'सेवासदन' की सुमन चरित्र-चित्रण। (5×3=15)

खण्ड-घ

4. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) 'कर्बला' नाटक सुखान्त है या दुखान्त।

(ख) 'सेवासदन' में सुमन के पति का क्या नाम है?

(ग) 'कर्बला' स्थान किस देश में पड़ता है?

(घ) 'कर्बला' किस धर्म से संबंधित है?

(ङ) 'गबन' में गबन कौन करता है?

(च) प्रेमचन्द ने प्रगतिशील लेखन संघ का अध्यक्षीय भाषण किस शहर में दिया था?

(छ) प्रेमचंद की अंतिम रचना का नाम लिखो।

(ज) 'गबन' में रमानाथ भागकर किस शहर में जाता है?

(8×1=8)